PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Dainik Jagran, Delhi**
**Mon, 12 Jun 2017, Page 3**
**Width: 11.46 cms, Height: 19.68 cms, a4, Ref: 32.2017-06-12.42**

# दिल्ली में बना एनडीआरएफ का संचालन केंद्र

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : परमाणु और जैविक हमले का सामना करने वाली तैयारी से लैस राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का दल राष्ट्रीय राजधानी में स्थापित किया गया है। यह दल खतरे के समय न केवल सत्ता में बैठे लोगों बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी तत्काल राहत और बचाव कार्य करेगा।

गृह मंत्रालय और एनडीआरएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (सीबीआरएन) हादसों से निपटने के लिए 30 सदस्यीय दल इंडिया गेट इलाके में स्थापित किया गया है। इसके अलावा दिल्ली और आसपास के इलाके में भूकंप के खतरे को देखते हुए हाल ही में एनडीआरएफ का एक अन्य विशेष दल दिल्ली के आरके पुरम इलाके में स्थापित किया गया है। यह 24 घंटे आपदा से निपटने के लिए तैयार रहेगा। एक तीसरा दल केमिकल या रेडियोलॉजिकल लीकेज या हमले से निपटने के लिए इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर भी तैनात किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी अन्य खतरों से निपटने के तंत्र मौजूद हैं लेकिन सीबीआरएन के खतरे और हादसों से निपटने के लिए यहां कोई तंत्र नहीं था। इसीलिए

## योजना

- परमाणु और जैविक हमले से निपटेगा
- एनडीआरएफ के सर्वश्रेष्ठ कर्मियों का दल रहेगा मुस्तैद

एनडीआरएफ के सर्वश्रेष्ठ कर्मियों का दल का संचालन केंद्र बनाया गया। यह दल संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के लिए 24 घंटे काम करेगा। साथ ही दिल्ली के सार्वजनिक क्षेत्र या बाजार में भी सीबीआरएन के खतरे से निपटेगा। उन्होंने कहा कि अब तक पड़ोस में गाजियाबाद स्थित एनडीआरएफ कैंप काम करता था। ऐसे में आपात स्थिति में समय पर एनडीआरएफ दल पहुंचने को लेकर आशंका रहती थी।

इससे पहले भी दिल्ली में एयरपोर्ट और मायापुरी में हुए रासायनिक रिसाव के समय एनडीआरएफ की टीम ने सराहनीय काम किया था, लेकिन गाजियाबाद से टीम को यहां पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। बताया जाता है कि इससे पहले सेक्टर-19 गाजियाबाद में बल तैनात रहता था जिसे किसी भी आपात स्थिति में दिल्ली के हर हिस्से में पहुंचने में काफी समय लगता था। अब इस देरी को काफी कम किया जा सकेगा।